UNIVERSITY NEWS 14 SEPTEMBER 2026

NBT

पेपर खुद सेट कर सकेंगे कॉलेज

[illegible]

कॉलेजों को ऑटोनॉमी देने जा रहा एलयू, कोर्स से लेकर परीक्षा के पैटर्न तक में कॉलेज कर सकेंगे बदलाव

[illegible]

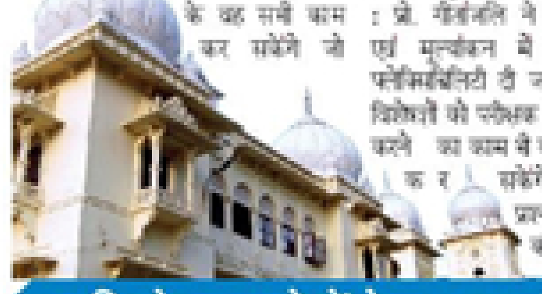

दाखिले करवाने में फेल हुआ बीबीएयू

[illegible]

VOICE OF LUCKNOW

एआई एजेंट्स की नयी तकनीक से रूबरू हुए विद्यार्थी

लखनऊ। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तेजी से विकसित होते दौर में विद्यार्थियों को उभरती तकनीकों से परिचित कराने के उद्देश्य से लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के कोडिंग क्लब कोडिंग कॉन्नोइसर्स की ओर से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एजेंट्स 101: फाउंडेशन विषय पर इंटरैक्टिव सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के कोऑर्डिनेटर डॉ. हिमांशु पांडेय की अध्यक्षता में हुआ।

सत्र की वक्ता एवं कोडिंग कॉन्नोइसर्स की लीड रित्विका मिश्रा ने विद्यार्थियों को पारंपरिक लार्ज लैंग्वेज मॉडल से आगे विकसित हो रही एआई एजेंट तकनीक की कार्यप्रणाली और संभावनाओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि एआई एजेंट केवल सवालों के जवाब देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि डिजिटल टूल्स का उपयोग करने, संदर्भ एवं मेमोरी बनाए रखने और जटिल कार्यों को कई चरणों में पूरा करने में सक्षम हैं।

उन्होंने बताया कि एआई एजेंट भविष्य में सार्वजनिक समस्याओं और नागरिक सेवाओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने, नागरिक शिकायतों को संबंधित विभाग तक पहुंचाने, दस्तावेजों एवं सूचनाओं का विश्लेषण करने, आपदा प्रबंधन, यातायात नियंत्रण तथा स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने में इनका उपयोग किया जा सकता है।

स्वास्थ्य क्षेत्र का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि एआई एजेंट मरीज से प्रारंभिक जानकारी लेकर संभावित जोखिम की पहचान करने, नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र की जानकारी देने और चिकित्सकीय परामर्श के लिए समय निर्धारित करने में सहायता कर सकते हैं। सत्र में मल्टी-एजेंट सिस्टम्स की अवधारणा को भी उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया।

HINDUSTAN TIMES

AI calls for sweeping changes in education, research: Experts

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: Artificial Intelligence (AI) can strengthen personalised learning, language support, research and student productivity, said BITS Pilani's Prof V Ramgopal Rao.

Speaking on the role of AI in higher education, he said the advent of the AI era calls for sweeping changes in education, research and innovation.

He made the remarks on the second day of the two-day 'AI Manthan 2.0', organised jointly by Jan Bhavan, Uttar Pradesh, and Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur.

The event, held at the Veerangana Rani Laxmibai Auditorium on the university campus, brought together experts to discuss the practical applications, innovations and future possibilities of Artificial Intelligence (AI) across various sectors.

IBM's Vishal Chahal highlighted AI's growing influence in India, stressing the need for faster adoption and skilled talent.

He said Uttar Pradesh, with its large student population, could emerge as a major hub for AI skill development.

Prof Amey Karkare of IIT Kanpur spoke about making AI-based online education and competitive exam preparation more accessible.

Citing 'Project Saathi', he said digital platforms could help students in remote areas and those facing financial or other practical challenges access quality preparation.

Boddupalli Maruti Prasanna of IARI, New Delhi, spoke on AI-driven crop breeding and agricultural economic management.

Prof Sachidanand Tripathi of IIT Kanpur said AI can make cities more efficient, resilient and resource-efficient.

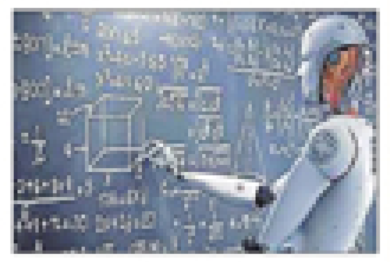

FOR REPRESENTATION ONLY

LU STUDENTS INTRODUCED TO AI AGENTS

LUCKNOW: Amid the rapid evolution of Artificial Intelligence, 'Coding Connoisseurs', the coding club of the Faculty of Engineering and Technology at the University of Lucknow, organised an interactive seminar, 'Artificial Intelligence Agents 101: Foundations', to familiarise students with emerging technologies. The event was held under the guidance of Prof Satendra Pal Singh, Dean of the Faculty of Engineering and Technology, and presided over by Dr Himanshu Pandey, Coordinator, Department of Computer Science and Engineering.

Session speaker and 'Coding Connoisseurs' session speaker and lead Ritvika Mishra explained how AI agents go beyond traditional Large Language Models by using digital tools, retaining context and memory, and handling complex multi-step tasks.

More than 150 B.Tech and BCA students from various years and branches attended the seminar. HTC

AMRIT VICHAR

लविवि और बीबीएयू के पुस्तकालयों का विधानसभा उपाध्यक्ष ने किया भ्रमण

बिहार विधानसभा उपाध्यक्ष ने किया विश्वविद्यालयों का दौरा, 11 सदस्यीय टीम ने पुस्तकालयों का भ्रमण कर जानी खूबियां

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष के नेतृत्व में 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर पुस्तकालय और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। इस दौरान बिहार विधान सभा के उपाध्यक्ष नरेन्द्र नारायण यादव पुस्तकालय की विभिन्न खूबियों से अवगत हुए। भ्रमण के दौरान पुस्तकालय विकास, सुविधाओं, संसाधनों, कार्यप्रणाली एवं प्रबंधन को समझने का प्रयास प्रतिनिधिमंडल ने किया। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. ओपी सैनी ने ब्रेल अनुभाग का अवलोकन कराया तथा उपलब्ध ब्रेल उपकरणों एवं सुविधाओं का प्रदर्शन किया।

प्रतिनिधिमंडल ने लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर पुस्तकालय का किया भ्रमण किया। प्रतिनिधिमंडल को टैगोर पुस्तकालय के समृद्ध इतिहास एवं विरासत से अवगत कराया गया। पुस्तकालय के वर्तमान भवन की आधारशिला वर्ष 1937 में रखी गई थी। इसका उद्घाटन वर्ष 1941 में तत्कालीन कुलपति सर मॉरिस हैलेट द्वारा किया गया था। बाद में इस पुस्तकालय का नाम नोबेल पुरस्कार से सम्मानित रवीन्द्रनाथ टैगोर के नाम पर रखा गया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर पुस्तकालय में बिहार के विधान सभा उपाध्यक्ष को किया गया सम्मानित। अमृत विचार

टैगोर पुस्तकालय में दिखी दुर्लभ विरासत

- प्रतिनिधिमंडल ने दुर्लभ कलाकृतियों एवं पांडुलिपि अनुभाग का अवलोकन किया। यहां सदस्यों ने फर्स्ट नेशनल एटलस ऑफ इंडिया, गुरु ग्रंथ साहिब, महाभारत इन पाली, पाप राज द्वारा पाली में रचित स्मृति सारसमुच्चय तथा तार्किक सिंह द्वारा संस्कृत में रचित आचार्य चम्पू सहित अनेक दुर्लभ कलाकृतियों एवं पांडुलिपियों को देखा। बताया गया कि इनमें से अनेक पांडुलिपियां ताड़पत्रों पर लिखी गई हैं, जो दक्षिण एशिया की समृद्ध पारंपरिक पांडुलिपि विरासत का प्रतिनिधित्व करती है।

आर्ट गैलरी का भी किया भ्रमण

- प्रतिनिधिमंडल ने राधाकमल मुकर्जी आर्ट गैलरी एवं संग्रहालय का भी भ्रमण किया। सदस्यों ने असित कुमार हल्दर, नंदलाल बोस एवं जामिनी रॉय जैसे प्रसिद्ध कलाकारों की कृतियों के साथ-साथ समकालीन कलाकृतियों का अवलोकन किया। प्रतिनिधिमंडल ने कला एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में पुस्तकालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

AMRIT VICHAR

प्रो. मुकुल बने मीडिया स्टार्टअप रिव्यू कमेटी के अध्यक्ष

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश सरकार की नई 'स्टार्टअप नीति-2026' के तहत स्टार्टअप्स के मूल्यांकन और वित्तीय प्रोत्साहनों की संस्तुति के लिए विशेषज्ञ समितियों का गठन किया गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रो. मुकुल श्रीवास्तव को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें ''मीडिया, एजुकेशन एंड सोशल इंपैक्ट'' वर्टिकल के लिए गठित स्टार्टअप रिव्यू कमेटी ऑफ एक्सपर्ट्स का अध्यक्ष बनाया गया है। उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स कारपोरेशन लिमिटेड की ओर से जारी कार्यालय आदेश के अनुसार, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कुल सात सेक्टर-विशिष्ट विशेषज्ञ समितियों का गठन किया गया है।

AMRIT VICHAR

नागरिक सेवाओं में 'दूत' बनेगा एआई एजेंट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- दस्तावेजों व सूचनाओं का विश्लेषण करने, आपदा प्रबंधन में कारगर

अमृत विचार: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तेजी से विकसित होते दौर में विद्यार्थियों को उभरती तकनीकों से परिचित कराने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के कोडिंग क्लब कोडिंग कॉन्नोइसर्स की ओर से आयोजित इस सेमिनार में पारंपरिक लार्ज लैंग्वेज मॉडल से आगे विकसित हो रही एआई एजेंट तकनीक की कार्यप्रणाली और संभावनाओं से अवगत कराया।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एजेंट्स विषय पर आयोजित इस इंटरैक्टिव सेमिनार में सत्र की वक्ता एवं कोडिंग कॉन्नोइसर्स की लीड रित्विका मिश्रा ने विद्यार्थियों को पारंपरिक लार्ज लैंग्वेज मॉडल से आगे विकसित हो रही एआई एजेंट तकनीक की कार्यप्रणाली और संभावनाओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि एआई एजेंट केवल सवालों के जवाब देने तक सीमित नहीं है, बल्कि डिजिटल टूल्स का उपयोग करने, संदर्भ एवं मेमोरी बनाए रखने और जटिल कार्यों को कई चरणों में पूरा करने में सक्षम है। उन्होंने बताया कि एआई एजेंट भविष्य में सार्वजनिक समस्याओं और नागरिक सेवाओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने, नागरिक शिकायतों को संबंधित विभाग तक पहुंचाने, दस्तावेजों एवं सूचनाओं का विश्लेषण करने, आपदा प्रबंधन, यातायात नियंत्रण तथा स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने में इनका उपयोग किया जा सकता है। डीन प्रो. सतेंद्र पाल सिंह के सहयोग से आयोजित सेमिनार की अध्यक्षता कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के कोऑर्डिनेटर डॉ. हिमांशु पांडेय ने की।

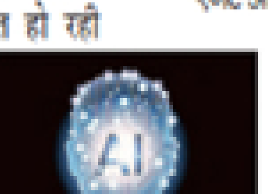

इस प्रकार एआई हो सकता है कारगर

- एआई एजेंट मरीज से प्रारंभिक जानकारी लेकर संभावित जोखिम की पहचान करने, नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र की जानकारी देने और चिकित्सकीय परामर्श के लिए समय निर्धारित करने में सहायता कर सकते हैं। कई एआई एजेंट आपस में समन्वय स्थापित कर अलग-अलग जिम्मेदारियां निभा सकते हैं। उदाहरण के लिए, किसी सार्वजनिक शिकायत के समाधान में एक एजेंट समस्या की जानकारी जुटा सकता है, दूसरा संबंधित विभाग की पहचान कर सकता है, तीसरा शिकायत की प्राथमिकता तय कर सकता है और चौथा समाधान की स्थिति से नागरिक को अवगत करा सकता है।

VOICE OF LUCKNOW

प्रो. मुकुल श्रीवास्तव बने मीडिया स्टार्टअप रिव्यू कमेटी के अध्यक्ष

[illegible]

बिहार विधानसभा के प्रतिनिधिमंडल ने टैगोर पुस्तकालय का किया भ्रमण

[illegible]

SWATANTRA BHARAT

प्रो. मुकुल श्रीवास्तव बने स्टार्टअप विशेषज्ञ समिति के अध्यक्ष

[illegible]

लखनऊ विश्वविद्यालय: बिहार प्रतिनिधि मंडल ने किया अध्ययन भ्रमण

[illegible]

SWATANTRA BHARAT

लविविः एआई के नए दौर से परिचित हुए विद्यार्थी

[illegible]

I NEXT

प्रो. मुकुल को मिली जिम्मेदारी

LUCKNOW (13 Sep): उत्तर प्रदेश सरकार की नई 'स्टार्टअप नीति-2026' के तहत स्टार्टअप्स के मूल्यांकन और वित्तीय प्रोत्साहनों की संस्तुति के लिए विशेषज्ञ समितियों का गठन किया गया. इसी क्रम में एलयू के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सीनियर प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है. उन्हें 'मीडिया, एजुकेशन एंड सोशल इंपैक्ट' वर्टिकल के लिए गठित स्टार्टअप रिव्यू कमेटी ऑफ एक्सपर्ट्स का अध्यक्ष बनाया गया है. यह समिति मीडिया, शिक्षा और सामाजिक प्रभाव से जुड़े स्टार्टअप्स के प्रस्तावों का निष्पक्ष एवं तकनीकी मूल्यांकन करेगी.

I NEXT

बिहार के प्रतिनिधिमंडल से देखी लाइब्रेरी

11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने एलयू के टैगोर पुस्तकालय का किया भ्रमण

LUCKNOW (13 Sep): बिहार विधान सभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव के नेतृत्व में 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने एलयू के टैगोर पुस्तकालय का अध्ययन भ्रमण किया. प्रतिनिधिमंडल में उपाध्यक्ष सहित दस अधिकारी शामिल थे, अध्ययन भ्रमण का उद्देश्य यूनिवर्सिटी पुस्तकालय की विकास प्रक्रिया, प्रबंधन, कार्यप्रणाली, सेवाओं तथा आधुनिकीकरण की व्यवस्थाओं को समझना था. इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल को टैगोर पुस्तकालय के समृद्ध इतिहास एवं विरासत से अवगत कराया गया. अध्ययन भ्रमण की शुरुआत ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग से हुई. प्रतिनिधिमंडल ने विशेश्वर नाथ रीडिंग हॉल का भ्रमण किया. सदस्यों ने यहां उपलब्ध पर्याप्त बैठक व्यवस्था तथा अध्ययन के अनुकूल वातावरण के लिए टेबल डिवाइडर की व्यवस्था की सराहना की. इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने दुर्लभ कलाकृतियों एवं पांडुलिपि अनुभाग का अवलोकन किया. यहां सदस्यों ने फर्स्ट नेशनल एटलस ऑफ इंडिया, गुरु ग्रंथ साहिब, महाभारत इन पाली, पाप राज द्वारा पाली में रचित स्मृति सारसमुच्चय तथा तार्किक सिंह द्वारा संस्कृत में रचित आचार्य चम्पू सहित अनेक दुर्लभ कलाकृतियों एवं पांडुलिपियों को देखा.

NBT

- काव्योमा फाउंडेशन की ओर से हिंदी दिवस पर कार्यक्रम, मालवीय सभागार, लखनऊ विश्वविद्यालय, सुबह 11 बजे।
- गोमती पुस्तक महोत्सव, लखनऊ विश्वविद्यालय, सुबह 11 बजे।

AMRIT VICHAR

- लखनऊ विश्वविद्यालय में 2018 से सेवाएं दे रहे लगभग 100 सुरक्षा कर्मियों को नौकरी से हटाने के विरोध में सुरक्षाकर्मियों के साथ एनएसयूआई का प्रदर्शन-11:00 बजे से।

UNIVERSITY NEWS 14 SEPTEMBER 2026

DAINIK JAGRAN

पुस्तक महोत्सव में बोले अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा, जीवन में उतरने वाला संस्कार है नैतिकता

जो जिज्ञासा को और गहरा कर दे वही साहित्य सार्थक

जागरण संवाददाता • लखनऊ : साहित्य का मूल उसकी रोचकता में निहित है। एक अच्छा साहित्य पाठक के भीतर जानने का कौतूहल जगाता है और उसे अपने साथ प्रश्नों की उस यात्रा पर ले जाता है, जहां वह उत्तर पाने से अधिक उन्हें खोजते रहने के आनंद में डूबा रहता है। बेसिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा के अपर मुख्य सचिव एवं लेखक पार्थ सारथी सेन शर्मा ने रविवार को गोमती पुस्तक महोत्सव में 'अनुभव, विचार और संवाद' सत्र में वार्ता की तो साहित्य लेखन से लेकर अध्ययन तक के अनेक पन्ने खुले। संवाद का सार यह था कि साहित्य की सार्थकता इसी में है कि वह पाठक के मन में उठे प्रश्नों को शांत करने के बजाय उसकी जिज्ञासा को और गहरा कर दे।

वार्ताकार चंद्रशेखर वर्मा के साथ बातचीत में शर्मा ने कहा कि नैतिक शिक्षा पर केंद्रित पुस्तकें तो बहुत लिखी जा रही हैं, लेकिन केवल नैतिकता की पुस्तकें पढ़ लेने भर से मनुष्य के भीतर नैतिकता का जन्म नहीं होता। नैतिकता कोई पाठ नहीं, बल्कि जीवन में उतरने वाला संस्कार है। उसे समझने और आत्मसात करने के लिए रामायण और गीता जैसे जीवन-दर्शन के ग्रंथों का अध्ययन आवश्यक है, जो मनुष्य को केवल सही और गलत का भेद नहीं बताते, बल्कि उसे अपने आचरण के प्रति सजग बनाते हैं। लेखक बनने के लिए टिप्स देने के प्रश्न पर वह बोले, इसके लिए, सबसे पहले एक अच्छा पाठक होना आवश्यक है। बात एआइ की ओर मुड़ी तो शर्मा ने कहा कि यह हमारे समय को बहुत तेजी से बदल रही है और यह बदलाव अपने साथ एक नई चुनौती भी लेकर आया है। एआइ हमें क्षणिक सुख तो दे सकती है, पर कहीं ऐसा न हो कि सुविधा के इस विस्तार में वास्तविक खुशी हमसे दूर होती जाए।

लवि में चल रहे गोमती पुस्तक महोत्सव में आयोजित सत्र में चर्चा करते अपर मुख्य सचिव बेसिक और माध्यमिक पार्थसारथी सेन शर्मा साथ में लेखक चंद्रशेखर • जागरण

सत्र साहित्यिक धरोहरों के वारिस में चर्चा करती साहित्यकार मीना यशपाल, प्रो. ऋचा नागर, लेखक चंद्रशेखर और डा. सुनीता • जागरण

'विरासत में मिले रिश्ते आजीवन चलते हैं'

लखनऊ : 'साहित्यिक धरोहरों के वारिस' सत्र में हिंदी साहित्य के तीन रचनाकारों- यशपाल, अमृतलाल नागर और भगवतीचरण वर्मा की साहित्यिक एवं पारिवारिक विरासत पर आत्मीय संवाद हुआ। सत्र का समन्वय दिल्ली की साहित्यकार डा. सुनीता ने किया। परिचर्चा में यशपाल की पुत्रवधू मीना यशपाल, अमृतलाल नागर की पोती ऋचा नागर और भगवतीचरण वर्मा के पौत्र चंद्रशेखर वर्मा ने पारिवारिक अनुभव और स्मृतियां साझा कीं।

ऋचा नागर ने अमृतलाल नागर की बच्चों के प्रति आत्मीयता और उनकी अद्भुत कहानी कहने की कला को याद किया। कहा, जो रिश्ते विरासत में मिलते हैं, वे हमारे साथ आजीवन चलते हैं। चंद्रशेखर वर्मा ने कहा, बाबा का साहित्य ही हमारी विरासत है। सत्र में इस बात पर जोर रहा कि साहित्यिक विरासत केवल पुस्तकों और रचनाओं तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह विचारों, संस्कारों, स्मृतियों और जीवन-मूल्यों के रूप में भी पीढ़ियों तक पहुंचती है।

जीवंत हुईं इतिहास की वीर गाथाएं

कवि एवं गीतकार डा. कृष्ण कुमार सिंह ने 'वीरगाथा डायरी' के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलन के क्रांतिकारियों और भारतीय इतिहास के महापुरुषों को काव्यात्मक श्रद्धांजलि दी। पृथ्वीराज चौहान और महाराणा प्रताप की वीरता को गद्य एवं पद्य के माध्यम से प्रस्तुत किया गया, जबकि चंद्रशेखर आजाद की कहानी को छंदों के माध्यम से प्रस्तुत करने का प्रयोग दर्शकों को विशेष रूप से प्रभावित कर गया। सरदार भगत सिंह को समर्पित पंक्तियों के साथ 1857 की क्रांति के नायकों-मंगल पांडे, बहादुर शाह जफर, नाना साहब, रानी लक्ष्मीबाई और वीर कुंवर सिंह के योगदान को भी याद किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में पांच सदस्यीय लाइव बैंड 'दिल्लीमेट्रो' ने हिंदी और अंग्रेजी के लोकप्रिय क्लासिक गीतों की समकालीन लाइव-बैंड शैली में प्रस्तुति दी।

महोत्सव में बच्चों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

पुस्तक महोत्सव शुरुआत बच्चों के लिए विशेष रूप से आयोजित कहानी, कला और रचनात्मक गतिविधियों से हुई। कहानीकार प्रियंका सागर ने कठपुतलियों व गीतों से बच्चों को कल्पना और कहानियों की दुनिया से जोड़ा। वले आर्टिस्ट सुग्रीव विश्वकर्मा ने वले आर्ट वर्कशाप की। राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय की आर्ट आफ क्रिएटिंग बुक कवर्स गतिविधियों में भी विद्यार्थी शामिल हुए।

TIMES OF INDIA

Freedom fighters fascinate Gen Z at book fest

Anjanaya Singh | TNN

Ajay Kumar

READING THE FREEDOM STRUGGLE Book fest is on at LU

Lucknow: For a generation growing up amid social media debates and conversations around equality, justice and change, the stories of India's freedom fighters and social reformers are finding a fresh audience. At the Gomti Book Festival, Gen Z readers are turning towards books that explore the lives, struggles and ideas of those who challenged power and questioned society.

"I first became interested in Bhagat Singh after watching videos about his life online. I bought 'Why I Am an Atheist' because I wanted to understand his ideas in his own words rather than just reading about him in textbooks," said a student, Amit Jaiswal.

Priyanshu Verma, a student, said that he picked up 'The Story of My Experiments with Truth' to understand Mahatma Gandhi beyond the version presented in textbooks.

Shreya Mishra chose 'India's Struggle for Independence' to learn more about Subhas Chandra Bose and his role in the freedom movement, while Rishabh Singh bought 'India Wins Freedom' to explore Maulana Abul Kalam Azad's contribution to the freedom and education.

HINDUSTAN

साहित्य, रचनात्मकता और संगीत के बिखरे कई रंग

गोमती पुस्तक महोत्सव में रविवार को छात्राओं ने चित्रकला प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

पुस्तक महोत्सव

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में लगे गोमती पुस्तक महोत्सव के दूसरे दिन रविवार को साहित्य, रचनात्मकता, इतिहास, विचार और संगीत से जुड़े विविध कार्यक्रम हुए। लखनऊ के विभिन्न विद्यालयों से आए 1,200 से अधिक विद्यार्थियों ने कहानी, रचनात्मक गतिविधियों में भाग लिया।

राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय की टीम ने छात्रों को 7,000 से अधिक निःशुल्क ई-पुस्तकों वाली डिजिटल लाइब्रेरी से भी परिचित कराया। साहित्यिक धरोहरों के वारिस सत्र में हिंदी साहित्य के तीन महत्वपूर्ण रचनाकारों यशपाल, अमृतलाल नागर व भगवतीचरण वर्मा की साहित्यिक एवं पारिवारिक विरासत पर संवाद हुआ। परिचर्चा में यशपाल की पुत्रवधू मीना यशपाल, अमृतलाल नागर की पोती ऋचा नागर और भगवतीचरण वर्मा के पोते चंद्रशेखर वर्मा ने पारिवारिक अनुभव और स्मृतियां साझा कीं। चंद्रशेखर वर्मा ने कहा कि जहां तक विरासत की बात है, भगवतीचरण वर्मा का साहित्य ही हमारी विरासत है। वीरगाथा डायरी और दिल्ली मेट्रो बैंड की संगीतमय प्रस्तुति हुई।

कई सदियों को समेटे है लखनऊ: पार्थसारथी

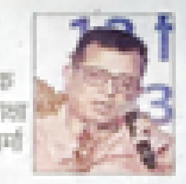

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अपर मुख्य सचिव बेसिक और माध्यमिक शिक्षा पार्थसारथी सेन शर्मा के साथ अनुभव, विचार और संवाद विषय पर विशेष संवाद हुआ। सत्र का समन्वय लेखक चंद्रशेखर वर्मा ने किया। उनकी चर्चित पुस्तकों- 'लव इन लखनऊ', 'लव साइड बाय साइड', 'द विकसित भारत विज़न' आदि पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि लखनऊ कई सदियों को अपने भीतर समेटे हुए है। भविष्य में लखनऊ को केंद्र में रखकर एक ऐतिहासिक उपन्यास लिखने की इच्छा भी व्यक्त की।

AMAR UJALA

हिंदी के रास्ते भारत की संस्कृति तक पहुंच रहे विदेशी छात्र

अभिषेक सहज

हिंदी दिवस पर विशेष

श्रीलंका, पोलैंड और अन्य देशों के विद्यार्थी लविवि में कर रहे हिंदी का अध्ययन और शोध

लखनऊ। हिंदी अब सिर्फ भारत की भाषा नहीं रह गई है। विदेशों के विद्यार्थी भी इसके जरिये भारतीय समाज, संस्कृति और साहित्य को समझ रहे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय में श्रीलंका, जापान और पोलैंड समेत कई देशों के विद्यार्थी हिंदी पढ़ रहे हैं। कोई प्रेमचंद की कहानियों में भारतीय समाज तलाश रहा है तो कोई जयशंकर प्रसाद के साहित्य से इतिहास और संस्कृति को समझ रहा है। कई विद्यार्थी हिंदी में शोध भी कर रहे हैं। फिलहाल विश्वविद्यालय में 171 विदेशी विद्यार्थी विभिन्न पाठ्यक्रमों में पढ़ रहे हैं।

[illegible]

आनंद अबेसुंदर, अन्ना और कांचना टी अभिमान।
[illegible]

"विदेशी विद्यार्थियों के हिंदी प्रेम में साहित्य की बड़ी भूमिका है। प्रेमचंद, निराला, जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, धर्मवीर भारती, हरिवंश राय बच्चन, दुष्यंत कुमार और हरिशंकर परसाई की रचनाएं उन्हें भारतीय समाज और संवेदना को समझने का अवसर दे रही हैं। लखनऊ की तहजीब और हिंदी का सांस्कृतिक रूप इस आकर्षण को और गहरा कर रहा है।"
–प्रो. जेपी सैनी, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय

HINDUSTAN

एलयू में कल से छात्रवृत्ति आवेदन शुरू

एलयू में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के ऑनलाइन आवेदन 15 सितंबर से शुरू होंगे। संस्थानों ने पात्र छात्र-छात्राओं को समय से आवेदन करने के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। विभाग नोटिस बोर्ड, व्हाट्सऐप ग्रुप, ई-मेल से सूचना देंगे।

DAINIK JAGRAN

बिहार विस उपाध्यक्ष ने जानी टैगोर पुस्तकालय की कार्यप्रणाली

जासं • लखनऊ : बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव के नेतृत्व में 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर पुस्तकालय का अध्ययन भ्रमण किया।

प्रतिनिधिमंडल को बताया गया कि इस सुविधा से पुस्तकालय के संग्रह को शीर्षक, लेखक तथा विषय के आधार पर आनलाइन खोजा जा सकता है। सदस्यों ने दुर्लभ कलाकृतियों एवं पांडुलिपि अनुभाग को देखा। फर्स्ट नेशनल एटलस आफ इंडिया, गुरु ग्रंथ साहिब, महाभारत इन पाली सहित अनेक कलाकृतियों एवं पांडुलिपियों को देखकर सराहना की।

AMAR UJALA

लविवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के कोडिंग क्लब 'कोडिंग कॉन्नोइसर्स' की ओर से 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एजेंट्स 101' पर आयोजित सेमिनार में उपस्थित विद्यार्थी। कॉन्नोइसर्स की प्रतिनिधि रित्विका मिश्रा ने एआई एजेंट के बारे में जानकारी दी।

AMAR UJALA

प्रो. मुकुल श्रीवास्तव बने स्टार्टअप समिति के अध्यक्ष

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की नई स्टार्टअप नीति-2026 के तहत विशेषज्ञ समितियों का गठन किया गया है। इसी क्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रो. मुकुल श्रीवास्तव को 'मीडिया, शिक्षा और सामाजिक प्रभाव' क्षेत्र की स्टार्टअप समीक्षा विशेषज्ञ समिति (एसआरसीई) का अध्यक्ष बनाया गया है। उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीएलसी) ने इस संबंध में कार्यालय आदेश जारी किया है। आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में सात सेक्टर-विशिष्ट विशेषज्ञ समितियों का गठन किया गया। (माई सिटी रिपोर्टर)

AAJ

लखनऊ विश्वविद्यालय के मैदान गोमती पुस्तक मेले के स्टालों पर लगी पुस्तक प्रेमियों की भीड़

DAINIK JAGRAN

प्रो. मुकुल बने मीडिया स्टार्टअप रिव्यू कमेटी के अध्यक्ष

लखनऊ : राज्य सरकार की नई 'स्टार्टअप नीति-2026' के तहत स्टार्टअप्स के मूल्यांकन और वित्तीय प्रोत्साहनों की संस्तुति के लिए विशेषज्ञ समितियों का गठन किया गया है। इसी क्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रो. मुकुल श्रीवास्तव को स्टार्टअप रिव्यू कमेटी आफ एक्सपर्ट्स का अध्यक्ष बनाया गया है। वि.

HINDUSTAN

प्रो. मुकुल को स्टार्टअप समीक्षा समिति की कमान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की नई 'स्टार्टअप नीति-2026' के तहत स्टार्टअप्स के मूल्यांकन और वित्तीय प्रोत्साहन के लिए विशेषज्ञ समितियों का गठन किया गया है। इसी क्रम में एलयू के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के वरिष्ठ प्रो. मुकुल श्रीवास्तव को 'मीडिया, एजुकेशन एंड सोशल इंपैक्ट' वर्टिकल के लिए गठित स्टार्टअप समीक्षा विशेषज्ञ समिति (एसआरसीई) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।